भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं0 229
दिनांक 25 अप्रैल, **2016**

एथेनॉल का मिश्रण

229. श्री दुष्यंत चैटालाः
डॉ. रमेश पोखरियाल निशंकः

क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या देश में एथेनॉल मिश्रण का स्तर विकसित देशों की तुलना में काफी कम है**;**

(ख) यदि हां**,** तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और देश में पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण का अनुमेय अनुपात कितना है और ऐसे मिश्रण के पश्चात् पेट्रोल की लागत दर पर इसका क्या प्रभाव पड़ता है**;**

(ग) क्या ऐथेनॉल के मिश्रण से देश में विदेशी मुद्रा की बचत में और तेल आयात करने में सहायता मिलती है**;**

(घ) क्या सरकार का विचार निकट भविष्य में करने पर एथेनॉल के मिश्रण को बढ़ाने का विचार है और यदि हां**,** तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है**;** और

(ङ) क्या सरकार ने देश में एथेनॉल मिश्रण के समर्थन में गन्ना किसानों को प्रोत्साहित करने हेतु कोई अध्ययन कराया है/कराने का विचार है और यदि हां**,** तो तत्संबंधी ब्यौरे सहित निष्कर्ष क्या है और इन पर क्या अनुवर्ती कार्रवाई की गई है**?**

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री धर्मेन्द्र प्रधान)

(क) और (ख): भारत में, सरकार ने संपूर्ण भारत में 5% एथेनोल मिश्रण का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए तेल विपणन कंपनियों (ओएमसीज) को बीआईएस विनिर्देशन के अनुसार 10% तक एथेनोल की प्रतिशतता के साथ एथेनोल मिश्रित पेट्रोल बेचने की अनुमति दी है। चीनी वर्ष 2014-15 के दौरान, ओएमसीज ने 2-3 प्रतिशत की मिश्रण प्रतिशतता प्राप्त की है।

सरकार ने एथेनोल का मूल्य निर्धारित किया है चूंकि जून, 2010 से पेट्रोल को नियंत्रण मुक्त कर दिया गया है, इसलिए ओएमसीज अंतर्राष्ट्रीय मूल्यों और बाजार की दशाओं के अनुसार, पेट्रोल के मूल्य निर्धारण पर उपयुक्त निर्णय लेती हैं।

(ग): पेट्रोल में एथेनोल के मिश्रण से इसके मिश्रण की सीमा तक पेट्रोल की बचत होती है और जिसके परिणामत: विदेशी मुद्रा की बचत होती है।

चीनी वर्ष 2014-15 के लिए विदेशी मुद्रा आय की संभावना लगभग 285 मिलियन अमरीकी डालर बैठती है।

(घ) और (ड.): एथेनोल की उपलब्धता बढ़ाने और एथेनोल मिश्रण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, सरकार ने निम्नलिखित उपाय किए हैं:-

(i) सरकार ने एथेनोल का सुपुर्दगी मूल्य 48.50 रु. प्रति लीटर से 49.50 रु. प्रति लीटर निर्धारित किया है।

(ii) पेट्रो रसायन मार्ग सहित सेलुलोजिक और लिग्नो सेलुलोजिक सामग्रियों जैसे सीरों के अतिरिक्त अन्य खाद्य भिन्न फीड स्टाकों से उत्पादित एथेनोल को खरीदने की अनुमति दे दी गई है।

(iii) पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 01 सितंबर, 2015 को अन्य बातों के साथ-साथ ओएमसीज से यथा संभव अधिक से अधिक राज्यों में पेट्रोल में दस प्रतिशत एथेनोल मिश्रण का लक्ष्य निर्धारित करने के लिए कहा है।

(iv) ईबीपी के तहत एथेनोल की खरीद की प्रक्रिया को सरल बनाया गया है ताकि समस्त एथेनोल आपूर्ति श्रृंखला को सरल और कारगर बनाया जा सके।

(v) वर्ष 2015-16 के दौरान, चीनी मिलों द्वारा ईबीपी के लिए ओएमसीज को की जाने वाली एथेनोल आपूर्तियों पर उत्पाद शुल्क नहीं लगाया है।

एथेनोल मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम को बढ़ावा देने के लिए की जा रही उपर्युक्त पहलों से निकट भविष्य में एथेनोल मिश्रण में वृद्धि होने की संभावना है।

******